# सामाजिक विज्ञान संकाय

काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के महान संस्थापक महामना पण्डित मदन मोहन मालवीय जी की पवित्र दूरदर्शिता के अनुसार सामाजिक विज्ञान संकाय उत्कृष्टता की खोज में अनवरत प्रयास कर रहा है तथा राष्ट्रीय एवं वैश्विक समुदाय के बीच सामाजिक तथा राजनैतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए रचनात्मक ढंग से मध्यस्थता करता रहा है। वास्तव में बिना विवेचक और प्रशिक्षित सामाजिक वैज्ञानिकों के न तो भारत जैसे विकासशील देश का सामाजिक और राजनैतिक विकास ही कर सकते हैं और न ही व्यक्ति, समुदाय और राष्ट्रों के बीच व्याप्त अन्तर को ही समाप्त कर सकते हैं।

इस प्रकार परिवर्तन की शक्ति के रूप में नये उत्साह के साथ यह सामाजिक विज्ञान संकाय सन् १९७१ में सृजित हुआ जिसमें अर्थशास्त्र, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान तथा समाजशास्त्र पांच विभाग शामिल हैं। इसके अतिरिक्त पाँच स्वतंत्र अन्तर्विषयी केन्द्र के रूप में नेपाल अध्ययन केन्द्र (स्थापित- १९७६), महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र (स्थापित- १९८७), मालवीय शान्ति अनुसंधान केन्द्र (स्थापित- १९९८), समन्वित ग्रामीण विकास केन्द्र (स्थापित- १९८०) और सामाजिक बहिष्करण एवं समावेशी नीति अध्ययन केन्द्र (स्थापित-२००९) हैं। इसके साथ ही राजनीति विज्ञान विभाग में एक केन्द्र राज्य सरकार अध्ययन केन्द्र और मनोविज्ञान विभाग में मार्गदर्शन एवं परामर्श अपने लक्ष्यों के लिये कार्य कर रहा है।